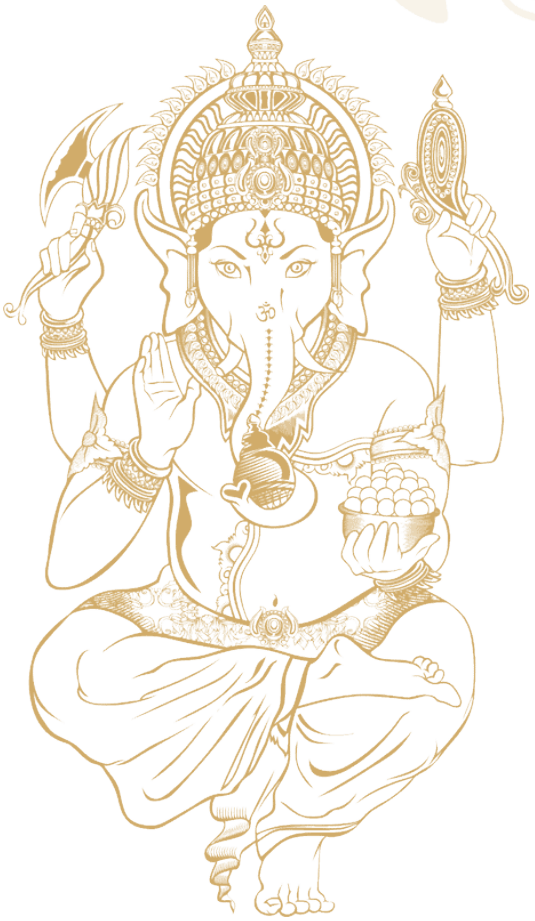

Bhavik Chetana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121751104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/2001	जन्म तिथि	11/02/2000
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:10:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 16:02:23	जन्म समय(घटी)	07:09:20 घटी
India	देश	India
Banswara	स्थान	Kushalgarh
23:32:00 उत्तर	अक्षांश	23:13:00 उत्तर
74:28:00 पूर्व	रेखांश	74:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:08	स्थानिक संस्कार	-00:32:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:02	सूर्योदय	07:07:49
19:17:24	सूर्यास्त	18:25:03
23:52:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 11वर्ष 3मा 13दि		18:55:23	सिंह	लग्न	मीन	22:49:21	केतु 4वर्ष 3मा 26दि	
चन्द्र		23:40:11	वृष	सूर्य	मक	27:53:36	सूर्य	
21/09/2018		19:08:32	धनु	चंद्र	मेष	05:06:07	07/06/2024	
20/09/2028		00:36:16	धनु व	मंगल	मीन	05:29:28	08/06/2030	
चन्द्र	22/07/2019	05:29:45	मिथु व	बुध	कुंभ	15:15:34	सूर्य	25/09/2024
मंगल	20/02/2020	28:12:00	वृष	गुरु	मेष	05:33:15	चन्द्र	27/03/2025
राहु	21/08/2021	07:53:00	मेष	शुक्र	धनु	27:30:03	मंगल	01/08/2025
गुरु	21/12/2022	12:15:45	वृष	शनि	मेष	17:15:41	राहु	26/06/2026
शनि	22/07/2024	12:28:29	मिथु	राहु व	कर्क	09:42:27	गुरु	14/04/2027
बुध	21/12/2025	12:28:29	धनु	केतु व	मक	09:42:27	शनि	26/03/2028
केतु	22/07/2026	00:55:41	कुंभ व	हर्ष	मक	23:13:40	बुध	31/01/2029
शुक्र	22/03/2028	14:41:44	मक व	नेप	मक	10:51:27	केतु	08/06/2029
सूर्य	20/09/2028	19:56:51	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:43:55	शुक्र	08/06/2030

लग्न-चलित

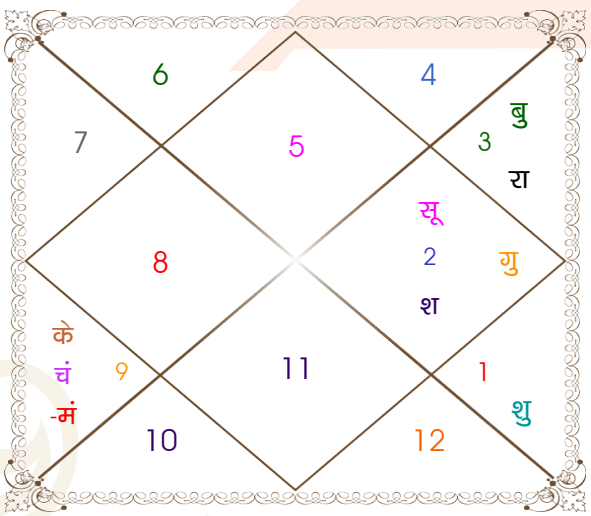

लग्न-चलित

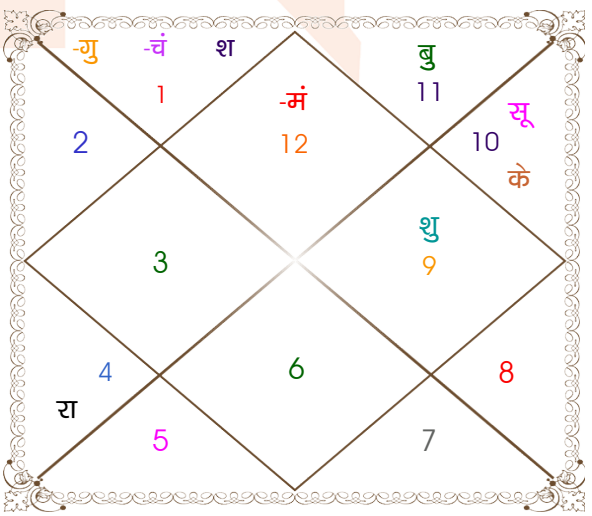

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Bhavik का वर्ग सर्प है तथा Chetana का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bhavik और Chetana का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Bhavik मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Chetana मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Bhavik कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Bhavik तथा Chetana में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।